

युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अप्रैल 2011 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अप्रैल मास का चार्ट:

लक्ष्य – व्यर्थ संकल्पों के अक के फूल बाप को अर्पण करना।

बापदादा के महावाक्य (02/03/11): “बर्थ डे पर बाप का यह संकल्प है कि सभी एक दो को उमंग उत्साह दिलाते हुए, एक दो के सहयोगी बनते हुए व्यर्थ संकल्प का अक का फूल अर्पण करो। व्यर्थ संकल्प न करना है, न सुनना है और न संग में आकर व्यर्थ संकल्पों के संग का रंग लगाना है क्योंकि व्यर्थ संकल्प जहाँ होगा वहाँ याद का संकल्प, ज्ञान के मधुर बोल, जिसको मुरली कहते हो, वह शुद्ध संकल्प स्मृति में नहीं रहेंगे। मन में मनन नहीं चलेगा। व्यर्थ संकल्प मन बुद्धि को अपने तरफ आकर्षित करने वाले हैं। पता है क्या कहते हैं बाप के आगे? बाबा इन्ट्रेस्टेड समाचार तो सुनना चाहिए ना। नॉलेजफुल बनना होता है लेकिन व्यर्थ बातें पद की प्राप्ति में नुकसान कर देंगी। तो क्या आप सभी व्यर्थ संकल्प का बाप से वायदा करते हो? तो रोज़ आराम के पहले, आराम बाद में करना पहले चेक करना – आज सारे दिन में कोई भी व्यर्थ संकल्प आया तो नहीं?”

आओ हम सभी व्यर्थ संकल्प रूपी अक के फूल बाबा के प्यार में टूट संकल्प से अर्पण करें।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	क्या
दूसरा	क्यों
तीसरा	कैसे
चौथा	कब

मा.सर्वशक्तिवान के स्वमान की सीट पर सेट रहकर संकल्प करें

1. क्या: ‘क्या ऐसा भी होता है’ किसी भी परिस्थिति के बारे में यह संकल्प नहीं चले। इस ड्रामा में जो कुछ भी हो रहा है, वह कल्याणकारी है, निश्चित है, कुछ भी अचानक नहीं होता है। यह क्या, ऐसा नहीं होना चाहिए, ऐसा होता तो अच्छा होता... यह सोचना सब व्यर्थ है। क्या शब्द न मुख से और न मन से निकले। हम व्यर्थ के क्या से कितने % मुक्त रहे, वह लिखना है।
2. क्यों: इसने ऐसा किया ही क्यों! किसी भी आत्मा के पार्ट को देखकर क्यों शब्द न निकले क्योंकि इस ड्रामा में हर आत्मा का पार्ट अलग-अलग और अपना-अपना है। हर आत्मा कल्प पहले वाला अपना एक्चुरेट पार्ट ही बजा रही है। ‘जो करगा सो पायेगा’ यह स्लोगन निरन्तर मन में बजता रहे। हम व्यर्थ के क्यों से कितने % मुक्त रहे, वह लिखना है।
3. कैसे: कोई भी कार्य कैसे करना है, यह न सोचकर ऐसे करना है यह सोचे। इस परिस्थिति से कैसे पार होना है, यह न सोचकर ऐसे पार होना है यही सोचे क्योंकि हमने कल्प-कल्प किया है। कोई भी कार्य या परिस्थिति को पार करना मुश्किल नहीं है, केवल यह विश्वास स्वयं में रखना है कि मैंने ही पार किया है और मैं ही कर सकता हूँ, मैं नहीं करूंगा तो और कौन करेगा। तो कैसे को ऐसे में परिवर्तन कर हम व्यर्थ के कैसे शब्द से कितना % मुक्त रहे, वह लिखना है।
4. कब: विनाश कब होगा, कब हम बाप समान वा सम्पन्न बनेंगे, कब लोग परिवर्तन होंगे... यह कब-कब सोचने के बजाए जो करना है मुझे अब करना है। अब नहीं करेंगे तो हम कभी नहीं कर पायेंगे। मुझे इन्तज़ार में नहीं

बैठना है पर इन्तजाम करना शुरू कर देना है। कब को अब में परिवर्तन कर कब के व्यर्थ के बोझ से कितने % मुक्त रहे, वह लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल - हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. व्यर्थ संकल्प मुक्त: 60 %
10. गुड नाइट- 10.30

❖ विशेष अभ्यास: बापदादा काफी समय से सूचना दे रहा है कि अब तीव्र पुरुषार्थ का रास्ता है तीन बिन्दु लगाना। बिन्दु हूँ, बाप बिन्दु को याद करना है और बीती को बिन्दु लगाना, फुलस्टाप बिन्दु है। जिसको बापदादा कहते हैं, बिन्दु बनना है, बिन्दु देखना है और बिन्दु लगाना है इसलिए बिन्दु का बहुत महत्व है।

❖ दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा मा. सर्वशक्तिवान हूँ।	16. मैं आत्मा विजयी हूँ।
2. मैं आत्मा प्रसन्नचित्त हूँ।	17. मैं आत्मा शक्ति स्वरूप हूँ।
3. मैं आत्मा कल्याणकारी हूँ।	18. मैं आत्मा ज्ञान स्वरूप हूँ।
4. मैं आत्मा साक्षीद्रष्टा हूँ।	19. मैं आत्मा त्रिकालदर्शी हूँ।
5. मैं आत्मा निश्चित हूँ।	20. मैं आत्मा शक्तिशाली हूँ।
6. मैं आत्मा बेफिक्र बादशाह हूँ।	21. मैं आत्मा सर्व समर्थ हूँ।
7. मैं आत्मा अचल अडोल हूँ।	22. मैं आत्मा कब नहीं अब करनेवाली हूँ।
8. मैं आत्मा रहमदिल हूँ।	23. मैं आत्मा महात्यागी हूँ।
9. मैं आत्मा क्षमाशील हूँ।	24. मैं आत्मा बेहद की वैरागी हूँ।
10. मैं आत्मा स्नेह की मूरत हूँ।	25. मैं आत्मा नष्टोमोहा हूँ।
11. मैं आत्मा प्रेम की गंगा हूँ।	26. मैं आत्मा एवररेडी हूँ।
12. मैं आत्मा फ्राकदिल हूँ।	27. मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी हूँ।
13. मैं आत्मा प्रेम स्वरूप हूँ।	28. मैं आत्मा बाप समान हूँ।
14. मैं आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।	29. मैं आत्मा सर्वगुण सम्पन्न हूँ।
15. मैं आत्मा ड्रामा की पटरी पर चलने वाली हूँ।	30. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में यह पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है।

नाम: _____ सेन्टर का नाम: _____ DiDar No: _____

गुड मॉर्निंग-90%

अमृतवेला-75%

व्यायाम/पैदल-80%

ट्रैफिक कन्ट्रोल-45%

मुरली क्लास-90%

नुमाशाम का योग-45%

स्वमान की स्मृति-55%

अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%

व्यर्थ संकल्प मुक्त -60%

गुड नाइट-95%

चार्ट: **OK** या **OK**

टीचर के हस्ताक्षर

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com

Website: www.bkyouth.org

To get sms Daily for Swaman Please type (Join DivyaDarpan) and send sms to 567678.